पानी की सप्लाई पर सीएम रेखा गुप्ता सख्त, अधिकारियों के साथ की बड़ी समीक्षा बैठक

अशोका एक्सप्रेस

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती

प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्षः 29 ● अंक : 20 ● नई दिल्ली ● 01 से 08 जून 2026 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

दिल्ली में इमारत गिरने का वीडियो आया सामने- बम फटने जैसी आई आवाज, धूल-चीखें और मची अफरा-तफरी, चार लोगों की मौत

नई दिल्ली । दक्षिण दिल्ली के साकेत में शनिवार को इमारत गिरने के हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है, वहीं 10 घायल हो गए हैं। घायलों में तीन महिला और सात पुरुष हैं। वहीं पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मालिक को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। हादसा उस वक्त हुआ जब सातवीं मंजिल की छत ढालने की तैयारी हो रही थी। वेस्टर्न मार्ग स्थित गली नंबर-5 में हुई। हादसे का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें इमारत भरभराकर गिरती नजर आ रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इमारत एक कमर्शियल प्रॉपर्टी थी, जिसकी पहली और दूसरी मंजिल पर कई निजी कार्यालय थे। घटना के समय पास के एक प्लॉट पर बनी रसोई में कुछ मेडिकल छात्र मौजूद थे। जब इमारत का मलबा उस पर गिरा, जिससे रसोई भी ढह गई। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह तक दमकल विभाग, एनडीआरएफ, डीडीएमए और स्थानीय पुलिस की मदद से मलबे से 14 लोगों को बाहर निकाला गया। सभी को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में से एक की पहचान 26 वर्षीय रवि के रूप में हुई है। घायलों में आठ लोगों की पहचान गुरुग्राम के 26 साल के तरुण कुमार, बिहार की 27 साल की साइका खान, सैदुल्लाजाब की 25 साल की नीलम यादव, सैदुल्लाजाब के 24 साल के आदित्य शर्मा, नोएडा के 25 साल के क्षितिज प्रताप, साकेत के 25 साल के अनुज दीक्षित, सैदुल्लाजाब की 25 साल की आस्था और साकेत के 24 साल के विशाल के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि घायलों में यादातर छात्र थे, जो पास में रहने वाले मेडिकल छात्रों के लिए बनी रसोई में खाना खा रहे थे। जब इमारत गिरी, तो कुछ लोग उसके

अंदर भी मौजूद थे। अधिकारी ने बताया कि बचाव और तलाशी अभियान अभी भी जारी है, क्योंकि मलबे के नीचे कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है। स्थानीय पुलिस अन्य बचाव टीमों के साथ मिलकर अभी भी काम में जुटी हुई है। सैदुल्लाजाब में शनिवार रात जब तीन मंजिला इमारत भरभराकर गिरी, तब कुछ मिनटों तक पूरे इलाके में सिर्फ धूल, चीखें और अफरा-तफरी थी। लेकिन इसी अफरातफरी के बीच सबसे पहले जो चीज दिखाई दी, वह थी स्थानीय लोगों की इंसानियत और हिम्मत। हादसे के कुछ ही मिनटों में आसपास रहने वाले लोग अपनी जान की परवाह किए बिना मलबे की ओर दौड़ पड़े। जोरदार आवाज सुनकर लोग घबराकर जब घरों से बाहर निकले, लेकिन धूल के गुबार के बीच किसी को समझ में नहीं आया। कई युवक तुरंत मलबे की तरफ भागे। उस समय तक न पुलिस पहुंची थी और न ही दमकल की टीमें। मलबे के भीतर से दबे लोगों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। कोई मदद के लिए पुकार रहा था, तो कोई धीरे-धीरे कराह रहा था। इन्हीं आवाजों ने स्थानीय लोगों को रुकने नहीं दिया। किसी ने हाथों से ईंटें हटानी शुरू कीं, तो कोई लोहे की सरियों को खींचकर रास्ता बनाने लगा। आसपास की दुकानों और घरों से फावड़े, रॉड और टॉर्च तक उठा लाए गए। स्थानीय निवासी जगदीश बताते हैं कि उस वक्त किसी के दिमाग में अपनी सुरक्षा का ख्याल नहीं था। इसी दौरान मलबे में दबे कुछ लोगों ने आवाज देकर अपनी मौजूदगी का संकेत दिया। लोगों ने तेजी दिखाई और राहत एजेंसियों के पहुंचने से पहले ही तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बाहर निकलते ही घायल दर्द से कराह रहे थे, लेकिन जिंदा होने की राहत उनके चेहरों पर साफ दिखाई दे रही थी। आसपास खड़े लोग तुरंत पानी लेकर दौड़े और किसी ने एंबुलेंस बुलाने के लिए फोन मिलाना शुरू कर दिया। भीम नाम के एक स्थानीय निवासी कहते हैं कि हादसे के बाद वहां ऐसा माहौल था जिसमें हर कोई एक-दूसरे का सहारा बन गया था।

कोई घायल को संभाल रहा था, कोई रास्ता खाली करवा रहा था, तो कोई लगातार मलबे में फंसे लोगों को आवाज दे रहा था कि हिम्मत मत हारो, हम निकाल रहे हैं। सैदुल्लाजाब समेत चार गांवों की कमेटी के प्रधान रविंद्र सिंह ने बताया कि इमारत में विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यहां कॉफी हाउस, कैफे, कोचिंग सेंटर, पीजी और कैंटीन चल रही थीं। उन्होंने बताया कि हादसे के समय कैंटीन में छात्र भोजन कर रहे थे, जिससे अधिक लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका बनी हुई है।

निकाय चुनाव - पंजाब का जनादेश

पंजाब की सियासत में स्थानीय निकाय चुनाव एक इबारत की तरह दर्ज हुए हैं। जिसमें सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी 102 नगर निकायों के चुनाव में 925 सीटें जीतने के साथ पहले नम्बर पर रही जबकि कांग्रेस 374 सीटें जीतकर दूसरे नम्बर पर रही है। शिरोमणि अकाली दल 189 सीटों के साथ तीसरे नम्बर पर रहा है, जबकि भाजपा चौथे नम्बर पर रही है। निर्दलीय उम्मीदवारों ने 248 सीटों पर विजय हासिल कर सबको चौंका दिया है। आम धारणा यही है कि जिस पार्टी की सरकार सत्ता में होती है, स्थानीय निकाय चुनावों में मतदाता उसी पार्टी को वोट दे देते हैं। पंजाब के मतदाताओं ने भी सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को जितवा कर डबल इंजन की सरकारों की धारणा को पुख्ता बनाते हुए जनादेश दिया। शहरों की सरकार चुनने के लिए स्थानीय मुद्दे पृष्ठभूमि में चले गए थे और सारा का सारा चुनाव 2027 के विधानसभा चुनावों को सामने रखते हुए लड़ा गया। चुनावी मुद्दे भी वही रहे जो 8 महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनावों में रहने वाले हैं। 8 नगर निगमों में से आप ने मोहाली, बरनाला, बटाला, मोगा और बठिंडा नगर निगमों पर कब्जा जमा लिया, जबकि कांग्रेस कपूरथला नगर निगम और भाजपा ने अबोहर नगर निगम जीता। भाजपा का गढ़ माने जाने वाले पठानकोट नगर निगम में भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी लेकिन बहुमत हासिल नहीं कर पाई। आम आदमी पार्टी की बम्पर जीत से यह स्पष्ट है कि पंजाब के लोगों में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान सरकार के कामकाज को बेहतर मानते हुए उस पर मोहर लगा दी है। पंजाब के जनादेश का अर्थ यही है कि भगवंत मान सरकार द्वारा बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा के क्षेत्र में सुधार, महिलाओं को हर माह धन और नशों के विरुद्ध सरकार के अभियान और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को सराहा है। इस तरह मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अग्निपरीक्षा पास कर ली है। विपक्ष कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और अन्य पार्टियां राय में बिगड़ती कानून व्यवस्था, गैंगस्टरों की बढ़ती वारदातें, हैड ग्रेनेड हमलों और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर शोर-शराबा मचाती रहीं लेकिन इनका कोई यादा फायदा नहीं हुआ। आप पार्टी के बारे में पहले कहा जाता था कि नई पार्टी है पंजाब के शहरों ने उन्हें मौका दे दिया लेकिन स्थानीय निकाय चुनावों के जनादेश ने बड़ा संदेश यह दिया कि पार्टी अब केवल शहरियों की पसंद नहीं है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी उसका जनाधार काफी बढ़ चुका है। आम आदमी पार्टी ने विपक्ष के कई दिग्गज नेताओं के क्षेत्रों में जबरदस्त सेंधमारी की है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरेन्द्र सिंह राजा वडिंग के गढ़ माने गए गिदड़वाहा में आप को जबरदस्त जीत हासिल हुई। शिरोमणि अकाली दल के गढ़ बठिंडा में भी उसे हार का मुंह देखना पड़ा है। पंथक सीट आनंदपुर साहिब में भी आप पार्टी ने झाड़ू फेर दिया। हाल ही में पंजाब भाजपा के अध्यक्ष बनाए गए केवल सिंह ढिल्लों के क्षेत्र बरनाला में भी आप पार्टी ने बम्पर जीत हासिल की। कांग्रेस का प्रदर्शन अपेक्षाकृत निराशाजनक रहा जबकि शिरोमणि अकाली दल (शिअद) को भी नुक्सान हुआ। कांग्रेस और शिअद के प्रदर्शन का जिक्र करना इसलिए जरूरी है क्योंकि दोनों दलों ने लंबे समय तक पंजाब सूबे की सत्ता को संभाला है। ऐसी स्थिति में निकाय चुनाव में इन दलों के ऐसे हश्र की उम्मीद नहीं थी, वो भी तब जब पिछले साढ़े चार साल से पार्टी के आला नेता आप सरकार की घेराबंदी में जुटे हुए थे। इन दलों की घेराबंदी ध्वस्त हुई। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में 13 में से 7 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस इस बात का दावा कर रही थी कि उन्होंने साल 2022 के विधानसभा चुनाव में आप की आंधी (117 में से 92 सीटों पर जीत) को रोक दिया है। आला नेता भी शहरी और ग्रामीण मतदाताओं पर पार्टी की पकड़ को मजबूत बता रहे थे। मगर साल 2026 के निकाय चुनाव के नतीजों ने तस्वीर ही बदल दी। शिरोमणि अकाली दल के दोफाड़ होने से उसकी पंथक वोट बट चुकी है और कांग्रेस अभी भी गुटबाजी का शिकार है। यद्यपि चुनावों में भाजपा को यादा सीटें हासिल नहीं हुई लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा पंजाब में लगातार अपना जनाधार बढ़ा रही है। वर्ष 2021 के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा 2215 में से केवल 49 सीटें जीत पाई थी लेकिन इस बार उसने अपनी सधी हुई राजनीति के चलते 167 सीटें जीत ली हैं। विजयी हुए निर्दलीय उम्मीदवारों में डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल सिंह की पार्टी वारिस पंजाब दे और अकाली दल (पुनर्सृजत) के समर्थित उम्मीदवार भी हैं। चुनाव परिणामों ने संकेत दे दिए हैं कि अगामी विधानसभा चुनाव काफी दिलचस्प होंगे। विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के चुनावी गठबंधन की सम्भावनाएं तलाशी जा रही हैं। चुनावी गठबंधन से पहले केन्द्र की मोदी सरकार को और भाजपा हाईकमान को किसानों के लम्बित मुद्दों और शिरोमणि अकाली दल की पंथक मांगों के संबंध में ठोस कदम उठाने होंगे तभी गठबंधन ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पैठ बना पाएगा। कांग्रेस को भी अपनी पार्टी में संगठनात्मक फेरबदल करने होंगे। देखना होगा कि विपक्षी पार्टियां अपनी राजनीतिक रणनीति को किस प्रकार धार देती हैं। आम आदमी पार्टी में भगवंत मान का सियासी कद बढ़ गया है। पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल केन्द्र को जमकर निशाना बना रहे हैं। देखना होगा कि विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी का जादू कितना चलता है।

सम्पादकीय

नई दिशा

सुप्रीम कोर्ट केवल एक न्यायालय नहीं है, बल्कि यह हमारे संविधान का संरक्षक और नागरिकों के अधिकारों का रक्षक भी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कई ऐसे फैसले दिए हैं जिनका प्रभाव सीधे आम जनता के जीवन पर पड़ेगा। सबसे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया है कि यदि किसी मामले में सुनवाई पूरी हो चुकी है और निर्णय सुरक्षित रखा गया है तो उसे तीन महीने के भीतर फैसला सुनाया जाना चाहिए। यह एक ऐतिहासिक कदम है क्योंकि वर्षों तक फैसले लंबित रहने से लोगों को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। न्याय में देरी न्याय से वंचित करने के समान मानी जाती है। कहावत भी बड़ी मशहूर है न्याय में देरी, अन्याय है) दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय सड़क दुर्घटनाओं और चिकित्सा सेवाओं से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि समय पर ट्रामा केयर और आपातकालीन इलाज प्राप्त करना प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। भारत में हर वर्ष हजारों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं, क्योंकि उन्हें समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिलती। यह निर्णय मानव जीवन की गरिमा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। तीसरा महत्वपूर्ण विषय निष्पक्ष चुनावों से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाने की प्रक्रिया का समर्थन किया है। लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी हों। यदि मतदाता सूची सही होगी तो लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा। महिलाओं की सुरक्षा के संदर्भ में भी सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणियां की हैं। दहेज उत्पीड़न और दहेज मृत्यु जैसे मामलों में अदालत ने स्पष्ट किया है कि ऐसे अपराधों को अत्यंत गम्भीरता से लिया जाना चाहिए। यह निर्णय महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के प्रति न्यायपालिका की संवेदनशीलता कोदर्शाता है। इन सभी निर्णयों को देखकर एक बात स्पष्ट होती है कि सुप्रीम कोर्ट केवल कानून की व्याख्या नहीं कर रहा, बल्कि समाज को एक नई दिशा भी दे रहा है, जिसकी समाज को बहुत जरूरत है। न्यायालय का संदेशस्पष्ट है कि न्याय समय पर मिले, जीवन सुरक्षित रहे, महिलाओं का सम्मान हो और लोकतंत्र मजबूत बने। न्याय में देरी केवल कानूनी समस्या नहीं होती, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट भी पैदा करती है। जब किसी व्यक्ति को वर्षों तक न्याय नहीं मिलता, तो उसका कानून और संविधान पर विश्वास कमजोर होने लगता है। गरीब व्यक्ति अपनी जमा पूंजी वकीलों और अदालतों के चक्कर में खर्च कर देता है। कई बार आरोपी सजा से बच जाते हैं क्योंकि गवाह मर जाते हैं, सबूत कमजोर हो जाते हैं या पीड़ित ही हार मान लेता है। निर्भया रेप कांड को कौन नहीं जानता वह केस बड़ा लंबा चला और उसके माता-पिता को इंसाफ मिलने में बड़ी पीड़ा झेलनी पड़ी, यह इंसाफ बड़ी देरी से मिला था। विशेष रूप से हत्या, बलात्कार, महिलाओं के खिलाफ अपराध, बुजुर्गों के मामलों, भूमि विवाद और आर्थिक अपराधों में तेजी से सुनवाई बहुत जरूरी है। कई बार पीड़ित परिवार वर्षों तक न्याय के लिए संघर्ष करता रहता है।

कैसे कामयाब हुए डीके

आखिरकार इतनी लंबी जद्दोजहद सियासी उठापटक के बाद डीके शिवकुमार कर्नाटक के मुख्यमंत्री की गद्दी पाने में कामयाब रहे। उन्हें बेंगलुरू की इस गद्दी पर काबिज करवाने में परोक्ष रूप से राहुल गांधी और पर्दे के पीछे से सोनिया व प्रियंका गांधी की एक महती भूमिका रही। जब इस दफे 2023 के विधानसभा चुनाव में धूमधड़ाके के साथ कर्नाटक में कांग्रेस की वापसी हुई तो कांग्रेस हाईकमान ने सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच सत्ता के समान बंटवारे का फार्मूला निकाला था, जिसके तहत सिद्धारमैया व डीके दोनों को ढाई-ढाई साल के टर्म के लिए प्रदेश का मुख्यमंत्री बनना था, बतौर सीनियर पहला मौका कांग्रेस के ओबीसी नेता सिद्धारमैया को मिला। जिनके ढाई साल का कार्यकाल 2025 के नवंबर में ही खत्म हो गया था, पर वे तब से ही डीके के पक्ष में गद्दी छोड़ने से आनाकानी कर रहे थे, जब उनके ऊपर दिल्ली ने दबाव बनाना शुरू किया तो उन्होंने अपने विकल्प के तौर पर तीन नाम सुझाए, इनमें पहला नाम डॉ. जी परमेश्वरा का था जो एक दलित समुदाय से ताल्लुक रखते हैं, सिद्धारमैया की दूसरी पसंद एमबी पाटिल थे, जो येदियूरप्पा के बाद प्रदेश के एक बड़े लिंगायत नेता में शुमार होते हैं। सिद्धारमैया की तीसरी और आखिरी पसंद थे सतीश जारकीहोली, ये वाल्मीकि नायका समुदाय से ताल्लुक रखते हैं, पर सिद्धारमैया की सुझाई लिस्ट में कहीं भी डीके का नाम नहीं था। सूत्रों की मानें तो डीके को गद्दी पर काबिज करवाने में गांधी परिवार की सबसे अहम भूमिका रही। समझा जाता है कि इससे पहले डीके की सोनिया गांधी से कई दौर की बातचीत पहले हो चुकी थी। इस बार कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की आहटों के बीच मां सोनिया के कहने पर राहुल ने सिद्धारमैया व डीके को सीधे दिल्ली तलब किया, उनसे वन-टू-वन बात की, यहां तक कि जिस मीटिंग में राहुल ने सिद्धारमैया से दो टूक डीके के लिए गद्दी छोड़ने को कहा उस मीटिंग में राहुल-डीके व सिद्धारमैया बस यही तीन लोग मौजूद थे। केसी वेणुगोपाल व अजय माकन से पहले ही राहुल ने वहां से चले जाने को कहा था। लिहाजा अब तो तय हो ही गया है कि कर्नाटक के 25वें सीएम के तौर पर डीके अपने साथी 10 मंत्रियों के साथ 3 जून को शपथ ले सकते हैं, उनके मंत्रिमंडल का अगला विस्तार 18 जून को संपन्न होने वाले रायसभा चुनावों के बाद हो सकता है। कांग्रेस हाईकमान के दबाव में भले ही इस गुरुवार को कर्नाटक के कद्दावर ओबीसी नेता सिद्धारमैया ने अपने मुख्यमंत्री की कुर्सी को अलविदा कह दिया हो, पर अभी वे दिल्ली से अपने इस त्याग का प्रतिदान चाहते हैं। सूत्रों की मानें तो अभी-अभी जब सिद्धारमैया दिल्ली पहुंचे तो उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात कर अपनी मांगों की एक विस्तृत सूची उनके हवाले की है। सूत्र बताते हैं कि सिद्धारमैया की सबसे बड़ी चिंता अपने पुत्र यतीन्द्र सिद्धारमैया को लेकर है, वे चाहते हैं कि डीके कैबिनेट में यतीन्द्र को कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिले, मुमकिन हो तो उन्हें डिप्टी सीएम बनाया जाए। इसके अलावा उन्होंने आने वाले रायसभा व विधान परिषद में होने वाली नियुक्तियों के लिए अपने पसंदीदा नेताओं के नाम सुझाए हैं, इसके अलावा डीके के मंत्रिपरिषद में विभागों के बंटवारे के लिए भी बतौर मंत्री उन्होंने अपने करीबी नेताओं के नाम सुझाए हैं। सीधे तौर पर सिद्धारमैया ने अपने करीबी नेताओं के लिए अहम मंत्रालयों के लिए पैरवी की है। सिद्धारमैया इस बार जब दिल्ली आए तो अपने एमएलसी पुत्र यतीन्द्र को वे साथ-साथ लेकर घूमे। उन्होंने अपने पुत्र को राहुल गांधी से मिलवाया। फिर वे कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे व कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मिलने पहुंचे। अभी-अभी तो बकरीद की खुशियां ताजा-ताजा माहौल में लिपटी थीं कि जम्मू-कश्मीर के नाराज़ कांग्रेस नेताओं का एक बड़ा वर्ग 'दिल्ली चलो' के आह्वान के लिए कमर कसने लगा है। ये नेता प्रदेश कांग्रेस कमेटी पर भाजपा-पीडीपी के स्लीपर सेल के कब्जे का आरोप लगा रहे हैं और अपने शीर्ष नेताओं से जानना चाह रहे हैं कि 'मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राय में अपने सहयोगी दल कांग्रेस को पूरी तरह नज़रअंदाज क्यों किया हुआ है और अब्दुल्ला की इस हरकत पर प्रदेश के शीर्ष कांग्रेसी नेता खामोश क्यों हैं' राहुल गांधी की निजी पसंद में शुमार होने वाले यहां के प्रदेश कांग्रेस प्रमुख तारिक हामिद कर्रा अपने दो वर्षों का कार्यकाल एक गुमनामी में पूरा कर चुके हैं, जम्मू-कश्मीर के एआईसीसी प्रभारी सैय्यद नासिर हुसैन, जो खड़गे की निजी पसंद के तौर पर उभरे हैं, वे भी एक तरह से प्रदेश कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं के लिए अछूत बने हुए हैं। सो, यहां पार्टी के अंदर गुटबाजी ने पूरी तरह सिर उठा लिया है। अब जबकि दिल्ली अपने प्रदेश के इन नेताओं की आवाजों पर कान नहीं धर रही है तो पीसीसी के वरिष्ठ नेताओं का एक बड़ा वर्ग सार्वजनिक रैलियां निकाल खुलेआम कर्रा व हुसैन दोनों को निशाने पर ले रहा है। सीडब्ल्यूसी सदस्य और पूर्व पीसीसी प्रमुख विकार रसूल वानी इस असंतुष्ट मोर्चे का सामने से नेतृत्व कर रहे हैं। सनद रहे कि रसूल वानी को पिछले विधानसभा चुनावों के बीच बिना किसी जरूरी औपचारिकता के हटा दिया गया था ताकि उनकी जगह राहुल गांधी कर्रा को ला सकें। रायसभा की रिक्त 26 सीटों के लिए 18 जून को चुनाव आहूत है। 3 सीटें मध्य प्रदेश से भी खाली हो रही हैं जिसमें से 2 भाजपा की और एक सीट कांग्रेस के पाले में जा सकती है। कांग्रेस की यह सीट वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की रिक्त हो रही है। वे दो बार से रायसभा में हैं, इस बार उन्होंने अपनी दावेदारी छोड़ दी है। सूत्रों की मानें तो दिग्विजय चाहते हैं कि 'आलाकमान उनकी जगह इस बार उनकी पत्रकार पत्नी को इस सीट से उपकृत कर दे।' वहीं प्रदेश के एक और कद्दावर कांग्रेसी नेता कमलनाथ भी इस सीट पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं, कमलनाथ का कहना है कि 'अगर मुझे नहीं भेजना चाहते तो मेरे पुत्र नकुलनाथ को इस सीट से ऊपरी सदन में भेज दिया जाए।' पर पार्टी में कमलनाथ व नकुलनाथ दोनों का पुरकश विरोध है। नकुलनाथ के बारे में पार्टी के कुछ नेता खुल कर कह रहे हैं कि 'वे 2024 में भाजपा के सीधे संपर्क में थे और उनकी भाजपा में शामिल होने की चर्चाएं भी तब बेहद आम थी।' पार्टी के कुछ नेताओं का मत है कि 'इस सीट से किसी दलित नेता को ऊपरी सदन में भेजा जाना चाहिए।' वहीं इस सीट के लिए जीतू पटवारी, अरुण यादव और मीनाक्षी नटराजन के नामों की भी चर्चा है। मीनाक्षी मंदसौर से 2009-14 के काल में लोकसभा सांसद भी रह चुकी हैं, फिलहाल वह तेलांगना की प्रदेश प्रभारी भी हैं। इन्हें राहुल गांधी की निजी पसंद के तौर पर देखा जाता है। बंगाल फतह के बाद अब भाजपा का सारा फोकस पंजाब पर सिमट आया है, यहां भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव होने हैं। पंजाब भाजपा के पहले सिख प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति के मात्र एक दिन बाद आए यहां के स्थानीय निकाय चुनाव नतीजों ने भाजपा कैडर को एक नई संजीवनी देने के काम किया है। इन चुनाव परिणामों ने संकेत दिया है कि 'राय के शहरी और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में निरंतर भाजपा का प्रभाव बढ़ रहा है। वर्ष 2021 में जहां भाजपा केवल 49 वार्ड जीत पाई थी, इस बार पार्टी की जीत का आंकड़ा 170 से यादा वार्डों को भी पार कर गया। हालांकि इसके बावजूद कुल वार्डों के लिहाज से भाजपा आप, कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल व निर्दलीय के बाद पांचवें स्थान पर रही, पर यह प्रदर्शन भी कहीं न कहीं पार्टी के बढ़ते हुए जनाधार की ओर ही इशारा कर रहा है। दरअसल, इस बार यहां भाजपा की सफलता केवल पारंपरिक हिंदू बहुल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि मोहाली, होशियारपुर, फतेहगढ़ साहिब, मानसा, पटियाला और फाजिल्का जैसे जिलों की नगर परिषदों और नगर पंचायतों में भी पार्टी ने अपनी मजबूत उपस्थिति का अहसास दर्ज कराया है।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

चंबल के असली बीहड़ों में दिखेगा Action-

Maddock Films की शक्तिशालिनी में Aneet Padda का जलवा

डैकेत और खतरनाक संघर्ष के लिए चर्चाओं में रहने वाला चंबल के बीहड़ इस समय किसी और वजह चर्चाओं में बनें है। सैयारा एक्ट्रेस अनीत पड्डा शक्तिशालिनी फिल्म में नजर आने वाली है। इस बार शूटिंग का माहौल सेट पर नहीं बीहड़ के जंगलों में देखने को मिलेगा। मैडॉक फिल्मस ने अपनी आगामी फिल्म 'शक्तिशालिनी' की शूटिंग के लिए मुंबई और हैदराबाद के स्टूडियो सेट्स की बजाय चंबल के असली बीहड का चयन किया है। मीडिया रिपोर्ट से पता चला है कि, इस फिल्म में तंत्र-विद्या, लोककथाएं, चंबल की पृष्ठभूमि और एक्शन का मिश्रण देखने को मिलेगा। इसमें अनीत पड्डा, विशाल जेठवा और विनीत कुमार सिंह नजर आएंगे।सूत्रों से मुताबिक, इसमें चबल को सिर्फ एक शूटिंग लोकेशन ही नहीं, बल्कि कहानी के मुख्य हिस्से के रुप में दिखाया जाएगा। बीहड़ों की वीरानी, गुफाएं, मिट्टी और रात का सन्नाटा फिल्म के माहौल को और प्रभावी बनाएंगे। रिपोर्ट्स से पता चला है कि फिल्म मेकर्स ने स्टूडियो सेट्स का सहारा नहीं लिया है, बल्कि उन्होंने चबल के असली बीहड़ों के बीच बड़ा सेट तैयार किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 15 दिनों की मेहनत के बाद वहां प्राचीन तांत्रिक गुफाओं जैसा माहौल बनाया गया है। असल में इन गुफाओं का डिजाइन लोककथाओं, पुराने मंदिरों और मध्य भारत की तांत्रिक परंपराओं से प्रेरित है। सेट के अंदर गुप्त रास्ते, विशाल मूर्तियां, अग्निकुंड और कई रहस्यमयी प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता है। बताया जा रहा है कि कुछ मुख्य ट्विस्ट और क्लाइमैक्स सीन्स इन्हीं गुफाओं में शूट किए गए। शूटिंग के दौरान गोपनीयता बनाए रखने के लिए यूनिट पर मोबाइल फोन के इस्तेमाल को लेकर सख्त निर्देश दिए थे। इस फिल्म में अनीत पड्डा शालिनी के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी के बारे में बात करें, तो साधारण ग्रामीण लड़की से शुरु होती है, जिसकी जिंदगी रहस्यमयी घटनाओं के बाद पूरी तरह बदल जाती है। धीरे-धीरे उसे अपने भीतर ऐसी शक्तियों का एहसास दिलाया कि जो काफी सामान्य इंसानों से अलग है। इस फिल्म में शालिनी का किरदार डर और शक्ति दोनों का मिश्रण होगा।

मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्म शक्तिशालिनी चंबल की लोककथाओं और तंत्र-विद्या पर आधारित है, जिसमें अनीत पड्डा एक रहस्यमयी किरदार निभा रही हैं; इसकी शूटिंग असली बीहड़ों में बनाए गए विशाल तांत्रिक गुफाओं के सेट पर की गई है।

कोहली ने छक्का मारकर बनाया चैंपियन, खुशी से झूम उठीं अनुष्का शर्मा; विराट को दिया फ्लाइंग किस

इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल 2026 को अपना विजेता मिल गया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब पर कब्जा किया। आरसीबी ने पिछली बार भी ट्रॉफी अपने नाम की थी, इस पर टीम ने अपनी ट्रॉफी को बरकरार रखा। लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतने के बाद विराट कोहली की पत्नी और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा काफी उत्साहित नजर आईं। उनके रिएक्शन अब सोशल मीडिया पर वायरल हैं। हर बार की तरह फाइनल मुकाबले में भी अनुष्का शर्मा आरसीबी और पति विराट कोहली को सपोर्ट करने स्टेडियम में पहुंची थीं। इस दौरान विराट कोहली की बल्लेबाजी के दौरान अनुष्का काफी खुश नजर आईं और लगातार कोहली व टीम को चीयर करती रहीं। वहीं जब विराट कोहली ने छक्का मारकर आरसीबी को दूसरी बार चैंपियन बनाया, तो अनुष्का खुशी से झूम उठीं। इसके बाद उन्होंने पति विराट कोहली को स्टैंड से ही फ्लाइंग किस भी दिया।

रश्मिका के बाद माधुरी दीक्षित हुई डीपफेक का शिकार, एआई वीडियो पर इंटरनेट पर मचा बवाल

इन दिनों सोशल मीडिया पर बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक्ट्रेस रिवीलिंग ड्रैस में नजर आ रही हैं। जब सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुई तो लोगों के कमेंट आने लगे। कुछ लोगों ने उनके पहनावे को लेकर कमेंट किया है। लेकिन इस वीडियो पर पत्रकार जयदीप पांडेय ने दावा किया है कि यह फेक वीडियो है। गौरतलब है कि रश्मिका मंदाना के बाद माधुरी दीक्षित भी डीपफेक का शिकार हुईं। सोशल मीडिया पर जयदीप पांडेय ने एक यूजर को रिप्लाई करते हुए लिखा- यह माधुरी दीक्षित का एआई से बनाया गया फर्जी वीडियो है। कृपया ऐसी कोई भी चीज पोस्ट या शेयर करने से पहले उसकी सचाई की जांच जरूर कर लें। इस वीडियो पर कई लोगों ने कमेंट किए हैं। लेकिन एक यूजर की पोस्ट पर कम्यूनिटी नोट जारी कर एक्स (पहले ट्विटर) पर कहा ये वीडियो पूरी तरह से एआई की मदद से बनाया हुआ है। दरअसल, कई सेलिब्रेटी एआई-जेनरेटेड वीडियो कंटेंट का शिकार हो चुके हैं। इनमें रश्मिका मंदाना, कैटरीना कैफ और कीर्ति सुरेशा का नाम शामिल है। हालिए में फेक एआई से बने वीडियो और तस्वीरों को लेकर रुक्मिणी वसंत भड़क गई थीं। शनिवार को रुक्मिणी ने अपने एक्स अकाउंट पर एक नोट शेयर करके बताया कि, 'मेरी टीम और मैंने सोशल मीडिया पर कुछ एआई से बनाई गई तस्वीरें देखी हैं, जिनके बारे में दावा किया जा रहा है कि वो मेरी हैं। मैं साफ कहना चाहती हूं कि ये तस्वीरें पूरी तरह फर्जी और बनाई गई हैं। इस तरह की एडिटेड तस्वीरें बनाना और फैलाना बहुत गैरजिम्मेदाराना है। यह किसी की प्राइवेसी का बड़ा उल्लंघन भी है।' उन्होंने आगे लिखा था, 'हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। इन तस्वीरों को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी और साइबर क्राइम कार्रवाई शुरू की जा रही है। मैं सभी लोगों से अपील करती हूं कि ऐसे कंटेंट को शेयर न करें और न ही उसे बढ़ावा दें।' नवंबर 2023 में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना डीपफेक वीडियो का शिकार हुई थी। एआई-जनरेटेड वीडियो में रश्मिका काले रंग के कपड़ो में एक लिफ्ट के अंदर जाती नजर आ रही हैं। यह वीडियो पूरी तरह से फेक था। यह वीडियो मूल ब्रिटिश-भारतीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जारा पटेल का था। एआई का इस्तेमाल करके जरा ने अपने चेहरे पर रश्मिका का चेहरा लगा दिया था।

तीसरी बार बदली Alia Bhatt की Alpha की Release Date, Postpone नहीं Prepone हुई YRF की स्पाई फिल्म

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की मच अवेटेड फिल्म Alpha की रिलीज को लेकर काफी हलचल देखने मिल रही है। पहले कहा जा रहा था कि यह फिल्म पिछले साल रिलीज होगी। इसके बाद इसे अप्रैल 2026 को रिलीज किया जा रहा था। इसके बाद बताया जा रहा था कि यह फिल्म 10 जुलाई में रिलीज होगी। लेकिन अब अल्फा को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है कि इस फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ चुकी हैं। आइए आपको पूरी जानकारी बताते हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, अल्फा की रिलीज डेट को एक हफ्ते आगे बढ़ा दिया गया है। दरअसल, ये फिल्म 10 जुलाई, 2026 को रिलीज होगी। एक सूत्र ने पोर्टल को बताया कि 10 जुलाई को अल्फा रिलीज थिएटर्स में होने वाली थी, लेकिन धमाल 4, जो उसी दिन रिलीज होने वाली थी अब 17 जुलाई तक पोस्टपोन कर दी गई है, क्योंकि 3 जुलाई को कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है। निर्माता आदित्य चोपड़ा को अल्फा को सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए यही तारीख सही लगी। दरअसल, अल्फा की रिलीज डेट आगे बढ़ने पर ट्रेड एक्सपर्ट ने बताया, क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म द ओडिसी भी 17 जुलाई को धमाल 4 के साथ रिलीज हो रही है । नतीजतन, अल्फा को अब बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह से चलने के लिए दो सप्ताह का समय मिलेगा, इसलिए क्योंकि 3 जुलाई को कोई भी बॉलीवुड फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हो रही है। वैसे तो रिपोर्ट से पता चल गया है कि अल्फा की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। लेकिन अभी तक फिल्म मेकर्स ने इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। असल में अल्फा एक वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स के तहत बनीं फिल्म पहली फीमेल लीड है। आपको बताते चले कि इस फिल्म बॉबी देओल और अनिल कपूर मुख्य भूमिका नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही फिल्म में ऋतिक रोशन का कैमियों कर सकते हैं। कहा यह भी जा रहा है कि शाहरुख खान भी पठान के रुप में कैमियों कर सकते हैं, लेकिन इस पर अभी तक कोई पुष्टि नहीं की गई है।

पीएम मोदी ने अहिल्याबाई होलकर को दी श्रद्धांजलि, कहा- उनका जीवन प्रेरणा का स्रोत

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरा देश उनकी बुद्धिमत्ता, करुणा और जनकल्याण के प्रति उनके समर्पण के लिए उन्हें गहरे सम्मान के साथ याद करता है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। नरेंद्र मोदी ने मालवा साम्राय की पूर्व शासिका अहिल्याबाई होलकर के जीवन को सुशासन, देशभक्ति और सांस्कृतिक गौरव का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने हमेशा साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ नेतृत्व किया। उनके द्वारा समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए दिए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा, लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी की जयंती पर उन्हें कोटि कोटि

नमन। उनकी बुद्धिमत्ता, करुणा और जन कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए पूरा देश उन्हें गहरे सम्मान और प्रशंसा के साथ याद करता है।

अहिल्याबाई होलकर का योगदान अतुलनीय- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि देशभर में पवित्र मंदिरों और तीर्थस्थलों के पुनर्निर्माण से लेकर सभी के लिए न्याय और कल्याण सुनिश्चित करने तक अहिल्याबाई होलकर का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक चेतना को और मजबूत करने का काम किया। समाज, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका समर्पण देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को हुआ था और 13 अगस्त 1795 को उनका निधन हुआ। वह मालवा साम्राय की रानी थीं और उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में मालवा की महारानी के रूप में उन्होंने धर्म का संदेश फैलाने और औद्योगीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान साल 1780 में काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार और मरम्मत कराना था। इसके अलावा उन्होंने देश के अलग अलग हिस्सों में कई धर्मशालाओं, घाटों और मंदिरों का निर्माण कराया था। उनके शासनकाल को शांति और न्याय के लिए जाना जाता है।

वसंत कुंज हाईराइज बिल्डिंग प्रोजेक्ट को दिल्ली हाई कोर्ट की मंजूरी, निवासियों की याचिका खारिज

नई दिल्ली।

दिल्ली हाई कोर्ट ने वसंत कुंज में एक सामूहिक आवास परियोजना को मंजूरी देते हुए स्थानीय निवासी कल्याण संघ और एक स्कूल की याचिका खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति शैल जैन की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी की मास्टर प्लान में इमारतों की ऊंचाई को स्थायी रूप से निर्धारित करने का प्रविधान नहीं है और नई इमारतों को आसपास के फ्लैटों पर लागू पुरानी ऊंचाई संबंधी प्रतिबंधों के अनुरूप होना आवश्यक नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि ऊंची इमारत क्षेत्र के कम ऊंचाई वाले स्वरूप को बिगाड़ देगी और नियोजन मानदंडों का उल्लंघन करेगी। पीठ ने कहा कि दिल्ली में भूमि सीमित है और यहां निरंतर जनसंख्या दबाव और लगातर आवासीय आवास की मांग बढ़ती जा रही है।

हाई कोर्ट ने कहा- दिल्ली में भूमि सीमित

वसंत कुंज रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन और मेसोनिक पब्लिक स्कूल ने तर्क दिया कि अधिकारी मौजूदा इमारतों से लगभग तीन गुना ऊंची टावरों की अनुमति नहीं दे सकते। हालांकि, कोर्ट ने माना कि अनुरूपता का अर्थ यह नहीं है कि प्रत्येक नई संरचना को पड़ोसी इमारतों की सटीक ऊंचाई के बराबर होना चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने लगभग 30-33 मीटर ऊंची परियोजना को चुनौती दी थी थी। यह प्रोजेक्ट दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की स्व-वित्तपोषित योजनाओं के 12 मीटर ऊंचाई वाले फ्लैटों के बीच में थी।

हाई कोर्ट ने और क्या कहा?

वसंत कुंज रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन और मेसोनिक पब्लिक स्कूल ने तर्क दिया कि यह ऊंचाई में अचानक बढ़ोतरी वर्ष 2018 के डीडीए नियमों का उल्लंघन है और अधिकारी मौजूदा इमारतों से लगभग तीन गुना ऊंचे टावरों को बनाने की अनुमति नहीं दे सकते।

एसोसिएशन और स्कूल ने एमपीडी-2021, पर्यावरणीय और नागरिक मानदंडों के उल्लंघन का भी आरोप लगाया। हालांकि, अदालत ने माना कि अनुरूपता का मतलब यह नहीं है कि हर नई इमारत की ऊंचाई आस-पास की इमारतों की ऊंचाई के बिल्कुल बराबर हो। साथ ही अदालत ने डीडीए ने इस तर्क को स्वीकार कर लिया कि वसंत कुंज योजना के बड़े दायरे के भीतर पहले से ही इसी तरह की बहुमंजिला इमारतें मौजूद हैं। पीठ ने डीडीए की तकनीकी समिति द्वारा दिए गए उन स्पष्टीकरणों पर भरोसा किया, जिनमें कहा गया था कि दिल्ली का मास्टर प्लान - 2021 (एमपीडी-2021) ऊंचाई पर ऐसी कोई अलग से सीमा नहीं लगाता, जैसा कि एसोसिएशन और स्कूल ने दावा किया था।

आग लगने पर कुआं खोदने की तैयारी- दिल्ली की प्यास बुझाने पर सरकार ने किया घंटों मंथन, फरमान जारी; मुसीबत तारी

दिल्ली । भीषण गर्मी के बीच दिल्लीवासियों की प्यास बुझाना सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। इस चुनौती से निपटने के लिए दिल्ली सरकार घंटों मंथन कर रणनीति के तहत काम कर रही है। अब एक-एक बूंद पानी का हिसाब रखा जा रहा है। शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जल मंत्री, दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ लंबी बैठक कर मंथन किया कि सीमित संसाधनों के बीच राजधानी के हर इलाके और हर घर तक पानी कैसे पहुंचाया जाए। इस दौरान जल प्रबंधन, रिसाव रोकने, शिकायतों के त्वरित निस्तारण, टैंकर आपूर्ति बढ़ाने और जल संरक्षण के उपायों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी इलाके में पानी की समस्या को हल्के में न लिया जाए। इसमें इस बात पर मंथन किया गया कि बढ़ती गर्मी और सीमित जल उपलब्धता के बीच कैसे हर दिल्लीवासी तक पर्याप्त पानी पहुंचाया जाए। बैठक में जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय, सदस्य अजय महावर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। छोटे टैंकरों की संख्या बढ़ा रही सरकार : भीषण गर्मी के बीच उत्पन्न हालात से निपटने के लिए दिल्ली जल बोर्ड का पूरा तंत्र मैदान में उतर गया है। अधिकारियों के मुताबिक 980 से अधिक जल टैंकर रोजाना 6,000 से यादा फेरे लगा रहे हैं। घनी आबादी और संकरी गलियों वाले इलाकों में छोटे टैंकरों की भी तैनाती की गई है, ताकि पानी उन जगहों तक भी पहुंच सके जहां बड़े वाहन नहीं जा सकते। जल उपलब्धता बढ़ाने के लिए यमुना खादर क्षेत्र में अतिरिक्त बोरवेल लगाए गए हैं। इससे प्रतिदिन 10.5 एमजीडी अतिरिक्त जल उत्पादन क्षमता बढ़ी है। सरकार का मानना है कि यह अतिरिक्त पानी उन इलाकों में राहत पहुंचाने में मदद करेगा जहां मांग अधिक और आपूर्ति कम है। यमुना में वजीराबाद के पास जल उपलब्धता प्रभावित होने से राजधानी की जल आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है। इसी को देखते हुए मुख्यमंत्री ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बातचीत की।

फर्जी चेक से की थी 5.20 करोड़ की ठगी, 6 साल बाद फरार आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली ।दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने फर्जी चेक के जरिए अमिटी यूनिवर्सिटी के खाते से 5.20 करोड़ रुपये की बड़ी ठगी करने वाले आरोपी को 6 साल बाद गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के 58 वर्षीय सुदामा नरवारे के रूप में हुई है, जिसे अदालत पहले ही भगोड़ा घोषित कर चुकी थी. मामला साल 2019 का है. आरोपी ने अमिटी यूनिवर्सिटी के नाम से जारी तीन फर्जी चेक बैंक में जमा किए. इनमें से दो चेक क्लियर हो गए और कुल 5.20 करोड़ रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए गए. तीसरे चेक को समय रहते रोक लिया गया. जांच में पता चला कि 2.50 करोड़ रुपये गुजरात के वडोदरा स्थित एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के खाते में और 2.70 करोड़ रुपये बैतूल स्थित ÷मां तासी मानव सेवा संस्थान÷ नामक एनजीओ के खाते में जमा किए गए थे. बाद में इस रकम को शेल कंपनियों और अन्य खातों में भेज दिया गया. सुदामा नरवारे उक्त एनजीओ का सचिव और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता था. पुलिस के अनुसार उसने एनजीओ खाते में आए 2.70 करोड़ रुपये में से करीब 2.08 करोड़ रुपये अन्य आरोपियों के खातों में ट्रांसफर कर दिए. दिल्ली पुलिस की EOW टीम ने आरोपी की लंबे समय से तलाश की थी.

गोल्डन लाइन का 75 फीसदी काम पूरा, फिर भी डेडलाइन पर संकट

नई दिल्ली । दिल्ली मेट्रो के फेज-4 की सबसे अहम परियोजनाओं में शामिल गोल्डन लाइन कॉरिडोर तय समयसीमा से पीछे चलता नजर आ रहा है. तुगलकाबाद से एरोसिटी के बीच बन रहे इस मेट्रो मार्ग का निर्माण कार्य अभी पूरी तरह रफ्तार नहीं पकड़ सका है, जिससे इस साल के भीतर इसके पूरा होने की संभावना कमजोर पड़ती दिख रही है. ऐसे में दक्षिण दिल्ली और एयरपोर्ट क्षेत्र के बीच बेहतर कनेक्टिविटी की उम्मीद लगाए लोगों को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है.

एक चौथाई से यादा काम अब भी अधूरा

करीब 23.6 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर 15 नए मेट्रो स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं. परियोजना का अधिकांश हिस्सा भूमिगत बनाया जा रहा है, जबकि महरौली-बदरपुर रोड पर खानपुर तिराहे से संगम विहार तक का हिस्सा डबल डेकर संरचना के रूप में तैयार किया जा रहा है. निर्माण की शुरुआत वर्ष 2020 में हुई थी, लेकिन कोविड और भूमि उपलब्धता से जुड़ी चुनौतियों ने इसकी गति को प्रभावित किया. वर्तमान स्थिति में परियोजना का लगभग 26 प्रतिशत कार्य शेष है, जिससे अगले छह महीनों में इसे पूरा करना कठिन माना जा रहा है.

सिविल कार्य में प्रगति, लेकिन लक्ष्य अब भी दूर

दिल्ली मेट्रो रेल निगम के अनुसार अप्रैल तक कॉरिडोर का सिविल निर्माण कार्य 78.11 प्रतिशत तक पहुंच चुका है. हालांकि समग्र परियोजना प्रगति 73.25 प्रतिशत दर्ज की गई है. यह अंतर दर्शाता है कि कई तकनीकी और सिस्टम आधारित कार्य अभी पूरे होने बाकी हैं. इसी कारण परिचालन शुरू होने की समयसीमा आगे खिसकने की आशंका बढ़ गई है.

चरणबद्ध तरीके से शुरू हो सकती है सेवाएं

डीएमआरसी अब इस कॉरिडोर को वर्ष 2026 के अंत तक अलग-अलग चरणों में यात्रियों के लिए खोलने की योजना पर काम कर रहा है. यदि निर्माण और परीक्षण कार्य तय गति से आगे बढ़ते हैं तो कुछ हिस्सों में पहले संचालन शुरू किया जा सकता है, जबकि पूरे कॉरिडोर के लिए यात्रियों को अतिरिक्त समय का इंतजार करना होगा.

फेज-5 में और बढ़ेगा गोल्डन लाइन का दायरा

गोल्डन लाइन को भविष्य में और विस्तारित करने की तैयारी भी की जा रही है. प्रस्तावित विस्तार के तहत एरोसिटी से एयरपोर्ट टर्मिनल-1 तक तथा तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक मेट्रो नेटवर्क को आगे बढ़ाया जाएगा. यह विस्तार फेज-5ए परियोजना का हिस्सा होगा और इसे वर्ष 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है.

वैश्विक हालात भी बन रहे चुनौती

डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर भी पड़ रहा है. मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण कच्चे माल, मशीनरी और मानव संसाधनों की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है. उन्होंने संकेत दिया कि यदि परिस्थितियां प्रतिकूल बनी रहती हैं तो परियोजना के निर्धारित लक्ष्यों और समयसीमा की समीक्षा की जा सकती है. गोल्डन लाइन को फेज-4 की सबसे महत्वपूर्ण मेट्रो परियोजनाओं में गिना जा रहा है. इसके शुरू होने से दक्षिण दिल्ली, संगम विहार, खानपुर और एयरपोर्ट क्षेत्र के बीच आवागमन काफी आसान होने की उम्मीद है. हालांकि फिलहाल निर्माण की मौजूदा रफ्तार यह संकेत दे रही है कि यात्रियों को इस नई मेट्रो लाइन की सुविधा पाने के लिए अनुमान से अधिक इंतजार करना पड़ सकता है.

अशोका एक्सप्रेस
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार-पत्र
प्रिय पाठक, विज्ञापन दाता,
आप अपने क्षेत्र की राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्य तथा धार्मिक लेख, कविता एवं कार्टून लिख भेजें। व्हाट्सएप या ईमेल पर आपके द्वारा भेजी गई सामग्री सुव्यवस्थित ढंग से प्रकाशित किया जायेगा।
नोट: पूर्व प्रकाशित लेखो को न भेजे।
संपादक: विजय कुमार
अशोका एक्सप्रेस को आर्थिक योगदान भी कर सकते हैं।
Account Holder Name ASHOKA EXPRESS
Bank Account No. [illegible]
IFSC Code [illegible]
UPI ID [illegible]

हरियाणा सरकार गुरुग्राम में 'मेक इन हरियाणा' पॉलिसी और 9 नई सेक्टरल पॉलिसी करेगी लॉन्च

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में होगा आयोजन

चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार 1 जून, 2026 को गुरुग्राम में आयोजित होने वाले एक बड़े उद्योग एवं निवेश कार्यक्रम में अपनी फ्लैगशिप 'मेक इन हरियाणा' पॉलिसी के साथ 9 नई सेक्टरल पॉलिसियों का शुभारंभ करेगी। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और उद्योग एवं वाणिय मंत्री राव नरबीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, विदेशी प्रतिनिधिमंडल तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हितधारक भाग लेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि नई पॉलिसी रूपरेखा हरियाणा को देश के अग्रणी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और निवेश गंतव्य के रूप में और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में तैयार की गई है। इन नीतियों का उद्देश्य औद्योगिक विकास को गति देना, क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना, एमएसएमई को प्रोत्साहन देना, रोजगार के अवसर सृजित करना, कारोबार सुगमता को बढ़ावा देना तथा भविष्य उन्मुख औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान भी किया जाएगा, जो हरियाणा की औद्योगिक प्रगति और भविष्य की विकास दृष्टि में निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। प्रवक्ता ने बताया कि नई नीति व्यवस्था तेज़ और प्रभावी प्रशासन, उद्योगों के साथ मजबूत साझेदारी, सुदृढ़ औद्योगिक तंत्र तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप विकास के प्रति हरियाणा सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मजबूत कनेक्टिविटी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक राजनीतिक पहुंच, विश्वस्तरीय अवसंरचना, परिपक्व औद्योगिक आधार तथा तेजी से विकसित हो रहे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के कारण हरियाणा ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोसेसिंग, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, डेटा सेंटर, AVGC, फार्मास्युटिकल एवं मेडिकल डिवाइस, खिलौना एवं खेल सामग्री निर्माण, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। कार्यक्रम के दौरान राय में औद्योगिक विकास और निवेशक सुविधा को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कुछ महत्वपूर्ण नई घोषणाएं भी की जाएंगी। राय सरकार ने सक्रिय प्रशासन, निवेशक-केंद्रित सुविधा तंत्र और उद्योगोन्मुख सुधारों के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डेरा राधा स्वामी ब्यास में बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से की शिष्टाचार भेंट

(संवाददाता)

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को डेरा राधा स्वामी सत्संग, ब्यास पहुंचकर डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा विभिन्न सामाजिक एवं आध्यात्मिक विषयों पर विचार-विमर्श किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कपूरथला पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध माता भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की

कपूरथला के माता भद्रकाली मंदिर में की पूजा-अर्चना

आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत समाज को जोड़ने तथा सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करती है। अपने कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कपूरथला के सर्कुलर रोड मार्केट क्षेत्र में लोगों से मुलाकात की तथा स्थानीय नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान लोगों में मुख्यमंत्री के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागरिकों से कहा कि सरकार जनकल्याण, विकास और सुशासन के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है तथा आमजन के हित सर्वोपरि हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव श्री तरुण भंडारी, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज, राष्ट्र व संस्कृति के लिए किया समर्पित - हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष

(संवाददाता)

चण्डीगढ़ । हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण ने आज देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर जिला करनाल के गांव सदरपुर, रसूलपुर कलां और घरौंडा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने देवी अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

अहिल्याबाई होलकर - संघर्ष और सशक्तिकरण की मिसाल

श्री हरविंदर कल्याण ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज, राष्ट्र व संस्कृति के लिए समर्पित किया। उन्होंने बेहद कठिन समय में, जब देश बाहरी आक्रमणों और कुरीतियों से जूझ रहा था, समाज और संस्कृति को बचाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने सती प्रथा जैसी कुरीतियों को त्यागकर शिक्षा और शासन की जिम्मेदारी संभाली और सोमनाथ मंदिर जैसी सांस्कृतिक विरासत का पुनरुद्धार कर राष्ट्र की

संस्कृति को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि भारत सोने की चिड़िया थी। पहले मुगलों और अंग्रेजों ने भारत को खूब लूटा व इतिहास से महापुरूषों का नाम हटाकर संस्कृति को खत्म करने का काम किया।

महापुरुष किसी एक जाति के नहीं, पूरे समाज के होते हैं

श्री हरविंदर कल्याण ने कहा कि वर्तमान सरकार ने सभी महापुरुषों की जयंतियां सरकारी स्तर पर मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज को जातियों के बंधन से ऊपर उठाकर एक सूत्र में पिरोना है।

उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी एक विशेष वर्ग या जाति के नहीं होते, बल्कि उनके विचार पूरी मानवता की धरोहर होते हैं। जब 36 बिरादरी मिलकर ऐसे कार्यक्रम मनाती है तो समाज की एकता और अधिक मजबूत होती है।

युवाओं को सेवा भाव और मेहनत का दिया संदेश

महान विभूतियों के संस्कार और सेवा भाव को आत्मसात करे युवा पीढ़ी - हरविंदर कल्याण

विधानसभा अध्यक्ष ने विशेष रूप से युवा पीढ़ी और बच्चों को महापुरुषों के विचारों से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारी तरक्की केवल खुद तक सीमित नहीं होनी चाहिए। हमें अपने आसपास कमजोर या गरीब को भी देखना चाहिए और उनके हित के कार्य करना चाहिए। उन्होंने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे साधारण और गरीब परिवारों से निकलकर इन विभूतियों ने मेहनत और ईमानदारी के बल पर देश के सर्वोच पदों को सुशोभित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार युवाओं को सफलता के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं - रणबीर गंगवा

चण्डीगढ़ । (संवाददाता) हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि देशवासियों से संवाद का प्रभावी माध्यम है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जनभागीदारी को बढ़ावा देता है। श्री रणबीर गंगवा ने रविवार को जिला हिसार के सातरोड खास स्थित बूथ पर कार्यकर्ताओं के साथ देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें संस्करण को सामूहिक रूप से सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी विचार समाज और राष्ट्र सेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व देश को नई दिशा देने वाला है और उनके विचार समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अपने विचारों के माध्यम से देशवासियों को सकारात्मक सोच, नवाचार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हैं। उनके विचारों से युवा वर्ग प्रेरणा लेकर सफलता के पथ पर अग्रसर हो रहा है तथा राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

शहीदों के सम्मान को सर्वोच प्राथमिकता - राव इंद्रजीत सिंह

चण्डीगढ़ । (संवाददाता) केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय तथा संस्कृति राय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने रविवार को रेवाड़ी जिला के गांव खण्डोडा में अमर शहीद अरुण कुमार यादव की प्रतिमा का अनावरण किया। शहीद अरुण कुमार यादव सिक्किम में डयूटी के दौरान आई प्राकृतिक आपदा में आमजन और अपने साथियों को बचाने के प्रयास में अपने शौर्य और वीरता का परिचय देते हुए 4 अक्तूबर,2023 को देश सेवा करते हुए शहीद हो गए। इस अवसर पर विशेष रूप से बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार, कोसली के विधायक अनिल यादव व भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना पोपली विशेष रूप से मौजूद रही। केंद्रीय मंत्री ने गांवों के विकास के लिए 21 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि देश की रक्षा के लिए सर्वोच बलिदान देने वाले वीर जवानों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि शहीद अरुण कुमार यादव ने राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वस्व समर्पित कर युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत

किया है। उनको अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए सेना द्वारा 8 मेडल भी प्रदान किए गए जो इनके अदम्य साहस को दर्शाते है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल के तहत लेबनान देश में एक साल साहस और वीरता के साथ अपनी सेवाएं भी दी। देशवासी उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखेंगे और आने वाली पीढ़ियां उनसे राष्ट्रभक्ति एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमेशा से ही दक्षिण हरियाणा के युवा सेना में भर्ती होकर देश की हिफाजत के लिए आगे रहे हैं। उन्होंने उन माताओं-बहनों की भी सराहना की जिन्होंने अपने बच्चों और भाइयों को सेना में भर्ती कर देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर तैनात किया है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने शहीद अरुण कुमार यादव की माता, पत्नी और बच्चों को भी विश्वास दिलाया कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। समारोह के दौरान ग्रामीणों द्वारा राजकीय विद्यालय का नामकरण शहीद अरुण कुमार यादव के नाम पर करने, गांव के जोहड़ों को नहरी पानी से जोडने तथा अन्य विकासात्मक मांगों का ज्ञापन भी प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विषयों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत

कप्तानगंज(कुशीनगर)।

कप्तानगंज तहसील क्षेत्र के अहिरौली थाना अन्तर्गत ग्राम सभा बरडीहा के एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पो स्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला में प्रेम प्रसंग से जुड़े होने की संभावना है। परिजनों के अनुसार शनिवार की देर रात बरडीहा निवासी संदीप यादव उम्र (22) भोजन के उपरांत घर से कुछ दूर स्थित मोबाइल टावर की तरफ गया था, कुछ समय के उपरांत मृतक संदीप के मोबाइल से उसके मित्र विशाल यादव के मोबाइल पर काल कर के बताया गया कि संदीप गांव के बाहर पुलिया के समीप घायल अवस्था में पड़ा है इसकी सूचना मिलते ही चाचा और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। जहां संदीप पुल के रेलिंग के पास गम्भीर अवस्था में पड़ा था। तथा उसका मोबाइल उसी के सीने पर मिला, परिजनों ने आनन फानन में उसे गोरखपुर मेडिकल कालेज ले गये जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों की लिखित सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी। जब कि मृतक के भाई का कुछ बर्ष पहले कैंसर से मौत हो चुकी है। पूरे परिवार के भरण पोषण की सभी जिम्मेदारी इस के कन्धे पर था। ग्रामीणों में चर्चा है कि मामला कहीं प्रेम प्रसंग से जुड़ा तो नहीं है। सतर्कता के तौर पर गांव में पुलिस गस्त कर रही हैं तथा जांच हेतु फोरेंसिक टीम भी घटना स्थल पर पहुंचकर नमूना ली है। अहिरौली थानाध्यक्ष प्रविंद्र राय ने बताया कि पीएम रिपोर्ट व तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

शहर में पुलिस कप्तान का रूट मार्च : कोतवाली क्षेत्र के मुख्य बाजारों में भारी बल के साथ खुद उतरे एसपी अभिजीत आर. शंकर

देवरिया। जनपद में शांति, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने तथा आम नागरिकों के भीतर सुरक्षा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए पुलिस महकमा पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में रविवार को पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने स्वयं कमान संभालते हुए भारी पुलिस बल के साथ थाना कोतवाली क्षेत्र के विभिन्न व्यस्त और संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त किया। इस रूट मार्च के जरिए पुलिस कप्तान ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और पिकेट पॉइंट की मुस्तैदी का जमीनी स्तर पर व्यापक निरीक्षण किया।पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी और कोतवाली पुलिस बल के साथ शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों व चौराहों का रुख किया। इस दौरान टीम ने सुभाष चौक, मालवीय रोड, नगर पालिका रोड, कॉपरेटिव चौराहा, रामलीला मैदान और हनुमान मंदिर चौराहा सहित प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और मुख्य मार्गों पर सघन भ्रमण किया। इस मार्च का मुख्य उद्देश्य त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करना और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की दृश्यता बढ़ाकर आमजन में विश्वास पैदा करना रहा। चक्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने केवल सुरक्षा घेरे का निरीक्षण ही नहीं किया, बल्कि सड़कों पर आम नागरिकों, स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों, महिलाओं और युवाओं से सीधा संवाद भी स्थापित किया। उन्होंने जनता की समस्याओं को सुना और सुरक्षा से जुड़े उनके महत्वपूर्ण सुझावों को नोट किया। कप्तान ने व्यापारियों और नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिला पुलिस हर नागरिक की सुरक्षा और सहायता के लिए चौबीसों घंटे विधिक रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोटूक शब्दों में कहा कि सामान्य दिनों या त्योहारों के दौरान किसी भी स्तर पर असामाजिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध अत्यंत कठोर विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था का गहनता से अवलोकन करने के बाद पुलिस अधीक्षक ने मौके पर मौजूद अधीनस्थ अधिकारियों और कोतवाली प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

सीडीओ की मैराथन चौपाल, परखीं विकास योजनाएं, सरकारी योजनाओं से वंचित पात्रों को जोड़ने के निर्देश

देवरिया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर रविवार की छुट्टी के दिन बखरी, हाटा, बगरूआ और सिकटिया दीनाचक पहुंचे सीडीओ राजेश कुमार सिंह
फैमिली आईडी, फॉर्मर आईडी और पीएम सूर्यघर योजना की ब्लॉक स्तर पर की सघन समीक्षा

ग्रामीण विकास की योजनाओं को रफ्तार देने और शासन की प्राथमिकताओं को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के निर्देशानुसार, रविवार की छुट्टी के बावजूद मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने विकास खंड बनकटा क्षेत्र का सघन दौरा किया। उन्होंने ब्लॉक मुख्यालय सहित क्षेत्र के बखरी, हाटा, बगरूआ तथा सिकटिया दीनाचक गांवों में आयोजित विभिन्न जन-चौपालों की अध्यक्षता की। इस दौरान सीडीओ ने ग्राम प्रधानों, पंचायत प्रतिनिधियों और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ आमने- सामने बैठकर जनकल्याणकारी योजनाओं की वास्तविक प्रगति खंगाली और स्थानीय जनसमस्याओं के निस्तारण को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए। बनकटा क्षेत्र में आयोजित इन चौपालों में मुख्य विकास अधिकारी ने बुनियादी ढांचे से जुड़े बुनियादी विकास कार्यों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कायाकल्प, पंचायत भवनों के सुचारु संचालन, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति तथा निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवनों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की। इस दौरान सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में आच्छादन बढ़ाने की रणनीति पर विमर्श हुआ। सीडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मनरेगा जॉब कार्ड धारकों, वृद्ध व विधवा पेंशन योजना के लाभार्थियों, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के पात्रों में से जो भी परिवार अभी तक किन्हीं कारणों से राशन कार्ड से वंचित रह गए हैं, उन्हें विधिक प्रक्रिया पूरी कर तत्काल इस सुविधा से जोड़ा जाए। इसके साथ ही, चौपालों में डिजिटल और आधुनिक योजनाओं जैसे फैमिली आईडी, फॉर्मर आईडी और प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रगति की जमीनी हकीकत परखी गई। सीडीओ ने कृषि और राजस्व विभाग के कर्मियों को निर्देशित किया कि चारागाह की जमीनों को अतिक्रमण मुक्त रखने और अमृत सरोवरों के रखरखाव में कोई लापरवाही न बरती जाए। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नए स्वयं सहायता समूहों के गठन और महिला सशक्तिकरण की योजनाओं को और प्रभावी बनाने पर बल दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कड़े रुख में कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता या हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सभी विभागीय अधिकारी शासन की मंशा के अनुरूप लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित कराएं। इस मैराथन समीक्षा के दौरान खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी, पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक और स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं।

बीएड प्रवेश परीक्षा- डीएम व एसपी ने परीक्षा संचालन एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। रविवार को जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नवजीवन इंटर कॉलेज, पटहेरवा सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर परीक्षा कक्षों, प्रवेश द्वारों, सीसीटीवी कैमरों, मेटल डिटेक्टर, पेयजल व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों एवं तैनात अधिकारियों से परीक्षा संचालन संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने तथा परीक्षा की गोपनीयता एवं शुचिता बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षा को पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन के अनुसार जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। प्रवेश से पूर्व अभ्यर्थियों की सघन जांच की व्यवस्था की गई, जबकि परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी गई। जिला प्रशासन ने दावा किया कि परीक्षा सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराई जा रही है।

वृद्धाश्रम में विधिक साक्षरता शिविर, सचिव अर्चना-द्वितीय ने बुजुर्गों को बताए उनके कानूनी अधिकार, जांची व्यवस्थाएं

देवरिया।

बुजुर्गों के विधिक हितों के संरक्षण और उन्हें सामाजिक व कानूनी अधिकारों के प्रति सजग करने के उद्देश्य से शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने एक महत्वपूर्ण पहल की। राय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश धनेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव व सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अर्चना-द्वितीय ने पूरवा मेहड़ा स्थित वृद्धाश्रम का स्थलीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वहां रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का नेतृत्व किया और बुजुर्गों से सीधा संवाद स्थापित कर उनके कानूनी अधिकारों की विस्तृत जानकारी साझा की। वृद्धाश्रम में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान सिविल जज अर्चना-द्वितीय ने संवासियों से आत्मीय मुलाकात की और उनके रहन-सहन, खान-पान तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आश्रम में रह रहे सुबाष दूबे, सावित्री, धूरपति, सिद्धू, शकुन्तला, श्रीकृष्ण, राजकुमारी, कबरूनिशा, फुला, कैलाशी देवी, विमला देवी, मालती देवी, रामस्नेही और कलमी सहित अन्य बुजुर्गों से एक-एक कर बात की और उनकी व्यक्तिगत व सामूहिक समस्याओं को सुना। सचिव ने इन समस्याओं के त्वरित और विधिक निस्तारण के लिए मौके पर ही संबंधित स्टाफ और प्रबंधकीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। विधिक साक्षरता शिविर के साथ ही सचिव ने वृद्धाश्रम परिसर की आंतरिक व्यवस्थाओं का भी स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संवासियों के शयन कक्षों की स्वच्छता, भोजनालय की स्थिति और दैनिक भोजन के मीनू कार्ड का बारीकी से मिलान किया। इसके साथ ही आश्रम के सुचारु संचालन को परखने के लिए कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका की भी जांच की गई। सचिव ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त हिदायत दी कि वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल में किसी भी स्तर पर विधिक या मानवीय लापरवाही अक्षम्य होगी। बुजुर्गों का सम्मान और उनकी बुनियादी आवश्यकताओं की समयबद्ध पूर्ति संस्था का प्राथमिक दायित्व है। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के व्यवस्थापक सहित वरिष्ठ नागरिक और स्थानीय प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, सुरौली पुलिस की कार्रवाई

देवरिया।

जनपद में अपराध नियंत्रण और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुरौली थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के गंभीर मामले में नामजद चल रहे मुख्य अभियुक्त को शनिवार को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए जेल भेज दिया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के असामाजिक तत्वों में कड़ा संदेश गया है। मामला सुरौली थाना क्षेत्र के एक गांव का है, जहां बीते 29 मई को पीड़िता के पिता ने थाने में एक लिखित तहरीर दी थी। आरोप के मुताबिक, अभियुक्त ने रात के समय उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अगवा किया और उसके साथ दुष्कर्म जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। वादी से प्राप्त तहरीर के आधार पर स्थानीय पुलिस ने तत्काल तत्परता दिखाते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा अपराध संख्या 97/2026 दर्ज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसमें भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के साथ-साथ पाक्सो एक्ट और एससी/एसटी एक्ट की भी बढ़ोतरी की गई थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने अभियुक्त की अविलंब गिरफ्तारी के कड़े निर्देश जारी किए थे। निर्देशों के अनुपालन में सुरौली थानाध्यक्ष अविनाश मौर्य के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने शनिवार को सटीक सूचना के आधार पर वांछित अभियुक्त उग्रसेन उर्फ भल्लू को दबोच लिया। पुलिस टीम ने विधिक औपचारिकताएं पूर्ण कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। इस महत्वपूर्ण कामयाबी को अंजाम देने वाली टीम में थानाध्यक्ष अविनाश मौर्य के साथ वरिष्ठ उपनिरीक्षक ममता मिश्रा, कांस्टेबल जसवन्त यादव, महिला कांस्टेबल गुंजन विश्वकर्मा और रूपा राव मुख्य रूप से शामिल रहीं।

अभय और चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वाश के अगले दौर में, रमित और अनाहत टूर्नामेंट से बाहर

बर्मिंघम । भारत के अभय सिंह और वीर चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वाश प्रतियोगिता के दूसरे दौर में पहुंच गए हैं, लेकिन रमित टंडन और अनाहत सिंह इस पीएसए डायमंड स्तर के टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने कोलंबिया के मैटियस नुडसेन को 11-8, 11-5, 11-4 से, जबकि विश्व में 44वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी ने पाकिस्तान के नूर जमां को 11-8, 12-14, 11-6, 11-7 से हराया।

टंडन फ्रांसीसी खिलाड़ी ऑगस्टे डुसोर्ड के खिलाफ मैच के बीच से हट गए। उस समय यह भारतीय खिलाड़ी 14-12, 4-7 से पीछे चल रहा था।

महिला वर्ग में विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत मिस्र की विश्व में 36वें नंबर की खिलाड़ी नार्डिन गारास से हार गईं। गारास ने यह मैच 11-8, 8-11, 11-8, 11-9 से जीता।

सात्विक-चिराग ने खत्म किया खिताबी सूखा, सिंगापुर ओपन के बने विजेता; इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

सिंगापुर ।

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने खिताबी सूखा समाप्त करते हुए पहली बार सिंगापुर ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। सात्विक-चिराग ने पुरुष युगल वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अलफियान और मोहम्मद सोहिबुल फिकरी को हराया। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी ने इस तरह दो साल में अपना पहला और विश्व टूर का कुल नौवां खिताब अपने नाम किया है।

सिंगापुर में पहली बार भारत ने जीता युगल वर्ग का खिताब

सात्विक-चिराग ने एक घंटा 13 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी को 18-21, 21-17, 21-16 से हराकर अपना तीसरा सुपर 750 खिताब जीता था। विश्व की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी के लिए यह खिताब बेहद खास है क्योंकि वे पहले

भारतीय हैं जिन्होंने सिंगापुर ओपन में युगल वर्ग का खिताब अपने नाम किया है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने इससे पहले 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद से ये भारतीय जोड़ी चार बार फाइनल में पहुंची, लेकिन विजेता बनने से चूकती रही। हालांकि, आखिरकार सिंगापुर ओपन में जाकर इस जोड़ी ने खिताबी सूखा समाप्त किया।

इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ बेहतर नहीं था रिकॉर्ड

फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलयेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी। कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया।

खुशी से झूम उठे सात्विक-चिराग

यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही। उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त किम वोन-हो तथा सियो सेउंग-जे की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया।

और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

नॉर्वे शतरंज में गुकेश ने प्रज्ञानंद को हराया, दिव्या देशमुख महिला वर्ग में शीर्ष पर पहुंचीं

ओस्लो । ओस्लो में चल रहे नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट के पांचवें दौर में एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष वर्ग में विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ऑल-इंडियन मुकाबले में आर. प्रज्ञानंद को हराकर अहम जीत दर्ज की, जबकि महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने जीत हासिल कर अंक तालिका में एकल बढ़त बना ली। पांचवें दौर का सबसे चर्चित मुकाबला भारत के दो युवा ग्रैंडमास्टर्स गुकेश और प्रज्ञानंद के बीच खेला गया। मुकाबले के अधिकांश हिस्से में प्रज्ञानंद बेहतर स्थिति में नजर आए और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा।हालांकि, अंतिम चरण में गुकेश ने मौके का फायदा उठाया। समय के दबाव और बढ़ते तनाव के बीच प्रज्ञानंद अपनी बढ़त को कायम नहीं रख सके। इसके बाद गुकेश ने स्थिति पर पूरी पकड़ बना ली और जीत दर्ज करने में सफल रहे।

कार्लसन को वेस्ली सो ने चौंकाया

दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला लंबे समय तक रणनीतिक लड़ाई के रूप में चला,

लेकिन एंडगेम में वेस्ली सो ने धीरे-धीरे बढ़त हासिल कर ली। कार्लसन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन वेस्ली सो ने अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और क्लासिकल मुकाबले में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।

फिरोजा ने मजबूत की शीर्ष स्थिति

दूसरे क्लासिकल मुकाबले में टूर्नामेंट के शीर्ष खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा और विन्सेंट कीमर के बीच खेल ड्रॉ रहा। इसके बाद हुए आर्मागेडन मुकाबले में फिरोजा ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए और अंक तालिका में अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया।

महिला वर्ग में दिव्या देशमुख का शानदार प्रदर्शन

महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने झू जिनर को हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की। मुकाबला लंबे समय तक बराबरी का रहा, लेकिन समय की कमी वाले चरण में दिव्या ने शानदार खेल दिखाया और अपनी बढ़त को जीत में बदल दिया। इस जीत के साथ दिव्या टूर्नामेंट के दूसरे हिस्से में प्रवेश करने से पहले अंक तालिका में अकेले शीर्ष स्थान पर पहुंच गई हैं।

हम्पी को आर्मागेडन में मिली सफलता

एक अन्य मुकाबले में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक और बिबिसारा अस्साउबायेवा के बीच क्लासिकल बाजी ड्रॉ रही। बाद में आर्मागेडन टाईब्रेक में मुजिचुक ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए। वहीं मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन और भारत की कोनेरू हम्पी के बीच भी क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। दोनों खिलाड़ियों के बीच रणनीतिक लड़ाई देखने को मिली, लेकिन कोई भी निर्णायक बढ़त नहीं बना सका। इसके बाद मुकाबला आर्मागेडन में पहुंचा, जहां हम्पी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और अतिरिक्त अंक अपने नाम किए। पांचवें दौर के बाद पुरुष वर्ग में शीर्ष स्थान की दौड़ और रोमांचक हो गई है, जबकि महिला वर्ग में दिव्या देशमुख ने खुद को खिताब की मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित कर लिया है। तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने कई बार अपने सर्विस गेम बचाए। इसके बाद पैरी ने अनिसिमोवा की सर्विस तोड़कर 4-3 की बढ़त बना ली, लेकिन अनिसिमोवा ने तुरंत वापसी करते हुए ब्रेक हासिल कर लिया। इसके बाद भी मुकाबला बराबरी पर चलता रहा और आखिरकार नतीजा टाईब्रेक से तय हुआ। टाईब्रेक में पैरी ने शानदार खेल दिखाया और 10-3 से जीत दर्ज कर मैच अपने नाम कर लिया।

रियान पराग बाहर... रुतुराज गायकवाड़ की एंट्री, ट्राई सीरीज के लिए टीम इंडिया में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली ।रियान पराग के लिए आईपीएल 2026 के क्वालीफायर 2 में राजस्थान रॉयल्स की हार के बाद एक और बुरी खबर आई है. आरआर के कप्तान रियान पराग श्रीलंका में होने वाली वनडे ट्राई सीरीज के लिए चोट के चलते इंडिया-ए टीम से बाहर कर दिए गए हैं. उन्हें उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालनी थी, लेकिन अब उनकी जगह चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान और भारतीय बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया गया है. रुतुराज टीम के उपकप्तान भी होंगे. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आधिकारिक अपडेट में इसकी जानकारी दी. बीसीसीआई ने आधिकारिक बयान में कहा, 'पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में होने वाली आगामी ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया 'ए' टीम में रुतुराज गायकवाड़ को शामिल किया है. उन्होंने उप-कप्तान रियान पराग की जगह ली है, जो हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं. रियान के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा की जाएगी.' ट्राई सीरीज में इंडिया ए और श्रीलंका ए के अलावा अफगानिस्तान ए टीम शामिल है.

आईपीएल के दौरान चोटिल हुए थे रियान

आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग लीग के दौरान ही हैमस्ट्रिंग का शिकार हुए थे और इसी वजह से लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच नहीं खेल पाए थे. आरआर के लिए खेले गए आखिरी कुछ मैचों में उनकी इंजरी साफ दिख रही थी. आरआर न्यू चंडीगढ़ में क्वालीफायर 2 में जीटी से 7 विकेट से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी. आईपीएल में आरआर का सफर समाप्त होने के बाद पराग अब बेंगलुरु में सीओई में रिहैब से गुजरेंगे. इस साल की शुरुआत पराग कंधे की चोट से उबरने के लिए भी सीओई में रुके थे. आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करने वाले गायकवाड़ ने अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी से निराश किया था. गायकवाड़ 14 मैचों में 28.08 की औसत और 123.44 के स्ट्राइक रेट से कुल 337 रन बना सके थे. गायकवाड़ भारतीय सीनियर टीम के लिए वनडे फॉर्मेट में खेल चुके हैं. इंडिया ए टीम में वह तिलक वर्मा और अंशुल कंबोज के साथ ऐसे तीसरे खिलाड़ी होंगे जिनका भारतीय टीम के लिए डेब्यू हो चुका है. ट्राई सीरीज के लिए अपडेटेड इंडिया-ए टीम- तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय.

कोको गॉफ का अभियान समाप्त, नाओमी ओसाका अगले दौर में; डायने पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को हराया

पेरिस। मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया जिसने लंबी बेसलाइन रैलियों और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की। इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका से होगा जिन्होंने डारिया कसाटकिना को 6-0, 7-5 से हराया। वहीं, फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। फ्रांस की डायने पैरी ने शनिवार को छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में जगह बनाई। इस साल के फ्रेंच ओपन से पहले पैरी पांच बार ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंची थीं, लेकिन

कभी भी अंतिम-16 में जगह नहीं बना पाई थीं। शनिवार को कोर्ट फिलिप-शैट्रिए पर पेरिस की शोरगुल भरी भीड़ के सामने खेलते हुए पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को दो घंटे 44 मिनट तक चले तीन सेट के मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-6 से हराया। पुरुष वर्ग में अलेजांद्रो तबिलो ने 17 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी मोइसे कौमे को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 (9) से पराजित किया। उनका सामना अब फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे से होगा, जिन्होंने अमेरिका के ब्रैंडन नाकाशीमा को 5-7, 6-1, 7-6 (4), 7-6 (1) से हराया। वहीं जैकरी स्वाजदा ने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को एक रोमांचक पांच-सेट के मुकाबले में 6-3, 6-4, 3-6, 4-6, 6-3 से शिकस्त दी। इसी के साथ एटीपी रैंकिंग में 85वें नंबर के खिलाड़ी ने पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के चौथे राउंड में जगह बनाई। इसके अलावा जुआन मैनुअल ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को हराने के बाद फिर से पांच सेट की जीत दर्ज की। उन्होंने मार्टिन लैंडालुस को पांच घंटे, 58 मिनट में 6-4, 6-7 (7), 7-6 (4), 6-7 (4), 7-6 (8) से हराया। जुआन का अगला मुकाबला 2021 में विंबलडन के फाइनलिस्ट रहे माटेओ बेरेटिनी से होगा, जिन्हें फ्रांसिस्को कोमेसाना को 7-6 (3), 5-7, 6-7 (4), 6-4, 7-6 (13) से हराने में पांच घंटे, 13 मिनट लगे। फ्लेवियो कोबोली ने लर्नर टिएन को 6-2, 6-2, 6-3 से हराया और अब उनका सामना अमेरिकी खिलाड़ी जैचरी स्वादा से होगा अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो ने पुर्तगाल के क्वालीफायर जैमे फारिया को 4-6, 6-7 (2), 7-6 (4), 6-1, 6-2 से हराया। अब उनका अगला मुकाबला मैटियो अर्नाल्डी से होगा।

सरकार ने कपास पर 30 अक्टूबर तक आयात शुल्क से छूट दी

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को कपास के आयात पर सीमा शुल्क से पांच महीने यानी 30 अक्टूबर, 2026 तक छूट देने की घोषणा की। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि आयात शुल्क में यह छूट एक जून, 2026 से प्रभावी होगी। इस शुल्क छूट से भारतीय वस्त्र क्षेत्र के लिए कपास की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अस्थायी शुल्क छूट से वस्त्र और परिधान क्षेत्र में कच्चे माल की लागत कम होने की उम्मीद है। इससे विनिर्माताओं और उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। साथ ही घरेलू किसानों के हितों का भी ध्यान रखा गया है। मंत्रालय ने कहा कि कुल मिलाकर, इस कदम से घरेलू वस्त्र उद्योग, विशेष रूप से लघु और मध्यम उद्यमों के प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इससे बाजार में कपास की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

टॉप-10 कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 1.54 लाख करोड़ रुपये घटा, रिलायंस को सबसे बड़ा झटका

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में कमजोर रुख के बीच पिछले सप्ताह देश की टॉप 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से सात की मार्केट कैप में 1.54 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। छुट्टियों के कारण छोटे रहे कारोबारी सप्ताह में बीएसई का सेंसेक्स 639.61 अंक यानी 0.84 प्रतिशत गिरा। वहीं एनएसई का निफ्टी-50 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत नीचे रहा। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में गिरावट आई है। दूसरी ओर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय जीव बीमा निगम के मार्केट कैप में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

रिलायंस को लगा सबसे यादा झटका

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 46,078.3 करोड़ रुपये घटकर 17,87,039.40 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 33,333.06 करोड़ रुपये घटकर 11,46,641.84 करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल का मार्केट कैप 25,408.96 करोड़ रुपये घटकर 11,14,886.53 करोड़ रुपये रह गया। वहीं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 22,920.58 करोड़ रुपये घटकर 8,15,480.75 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 13,169.46 करोड़ रुपये घटकर 5,04,210.54 करोड़ रुपये रह गया। बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 7,253.24 करोड़ रुपये घटकर 5,63,262.33 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 6,311.41 करोड़ रुपये घटकर 9,00,589.91 करोड़ रुपये रह गया।

इन कंपनियों का बढ़ गया मार्केट कैप

वहीं, लार्सन एंड टुब्रो का मार्केट कैप 20,608.43 करोड़ रुपये बढ़कर 5,60,836.64 करोड़ रुपये हो गया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैप 13,753.62 करोड़ रुपये बढ़कर 8,89,831.54 करोड़ रुपये और एलआईसी का मार्केट कैप 6,040.37 करोड़ रुपये बढ़कर 5,20,484.06 करोड़ रुपये हो गया। सप्ताह के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर घटाया निर्यात शुल्क, एक जून से लागू होगी नई दर

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क यानी विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। नई दरें एक जून से प्रभावी होंगी। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स को आधा कर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है।

वहीं डीजल पर यह कर घटाकर 13.5 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 9.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है।

अधिसूचना में कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर सड़क एवं अवसंरचना उपकर (रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस) शून्य रहेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू खपत के लिए निकाले जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इसी महीने बढ़ाया था विंडफॉल टैक्स

पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) 16 मई को 3 रुपये प्रति लीटर लगाया गया था। पखवाड़ा समीक्षा के बाद इसे 1 जून से घटाकर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। डीजल के निर्यात पर शुल्क 16.5 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 13.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह एटीएफ पर शुल्क 16 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 9.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। सरकार ने 26 मार्च को डीजल के निर्यात पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर निर्यात शुल्क लगाया था। 11 अप्रैल की समीक्षा में इन्हें बढ़ाकर क्रमशः 55.5 रुपये और 42 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया था। इसके बाद 30 अप्रैल की समीक्षा में इन्हें घटाकर 23 रुपये और 33 रुपये प्रति लीटर किया गया। 16 मई को शुल्क और कम कर क्रमशः 16.5 रुपये और 16 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया था। सरकार ने पश्चिम एशिया में अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष के बीच देश में ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह विंडफॉल टैक्स लगाया था।

इसका उद्देश्य यह भी था कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण निर्यातक मूल्य अंतर का अनुचित लाभ न उठा सकें। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर सैन्य हमले किए थे, जिसके बाद तेहरान की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू हुई। युद्ध शुरू होने से पहले कच्चे तेल की कीमत लगभग 73 डॉलर प्रति बैरल थी, जबकि पिछले एक सप्ताह से यह 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट की पृष्ठभूमि में पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता बनाए रखने और निर्यात को हतोत्साहित करने के लिए यह विंडफॉल टैक्स लगाया गया था।

कहां है दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट साइज में आगरा और न्यूयॉर्क भी छोटे; 190000000000 में हुआ तैयार

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट्स साइज, यात्री संख्या और उड़ानों की क्षमता के मामले में किसी छोटे शहर से कम नहीं होते। इनमें से कई का क्षेत्रफल हजारों एकड़ में होता फैला है और इनके अंदर कई रनवे, टर्मिनल, मेट्रो लाइन, होटल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तक मौजूद हैं। ये एयरपोर्ट सालाना करोड़ों यात्रियों और लाखों टन कार्गो को संभालते हैं, जिससे ये वैश्विक व्यापार और पर्यटन की रीढ़ बन जाते हैं। इनका डिजाइन इस तरह होता है कि एक साथ दर्जनों विमान उतर-चढ़ सकें और यात्रियों को कम से कम समय में एक गेट से दूसरे गेट तक पहुंचाया जा सके। तकनीक, ऑटोमेशन और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण ये एयरपोर्ट न सिर्फ ट्रांसपोर्टेशन का केंद्र होते हैं, बल्कि देश की आर्थिक ताकत का प्रतीक भी माने जाते हैं। यहां हम आपको आज दुनिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट के बारे में बताएंगे। किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। ये एयरपोर्ट सऊदी अरब के दम्माम शहर में मौजूद है। इस एयरपोर्ट का क्षेत्रफल 780 वर्ग किमी है, जो आगरा से 6 गुना अधिक है। आगरा का क्षेत्रफल 121 वर्ग किमी है। वहीं न्यूयॉर्क का क्षेत्रफल 778.2 वर्ग किमी है। 776 वर्ग किमी में से सिर्फ 36.8 वर्ग किमी पर ही एयरपोर्ट की बिल्डिंग बनी है। मगर बाकी क्षेत्र भी इसी एयरपोर्ट का हिस्सा है, जिस पर कई अन्य चीजें हैं। इनमें एक छह-मंजिला यात्री टर्मिनल, एक विशेष अरामको टर्मिनल, एक आलीशान रॉयल पवेलियन, दो विशाल समानांतर रनवे, और एक विशाल हवाई अड्डा मस्जिद शामिल हैं। ये एयरपोर्ट 1983 में बनना शुरू हुआ और तैयार होने के बाद इसकी ओपनिंग अक्टूबर 1999 में हुई। इसमें दो टर्मिनल और दो ही रनवे हैं। इस एयरपोर्ट को बनाने की लागत 2 अरब डॉलर रही थी, जो आज के हिसाब से 19000 करोड़ रुपये बनते हैं। इस एयरपोर्ट का मैनेजमेंट दम्माम एयरपोर्ट्स कंपनी संभालती है। ये एयरपोर्ट सालाना करीब 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालता है। गौरतलब है कि एयरपोर्ट में 39,500 वर्ग मीटर की दो मंजिला कार्गो बिल्डिंग 2015 में तैयार की गई थी, जो सालाना 94,000 टन कार्गो संभालती है।

अमेरिकी कानूनी चुनौतियों से आगे बढ़े गौतम अडानी, अब एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा है कि समूह ने अमेरिका में चल रही कानूनी चुनौतियों को पीछे छोड़ दिया है और अब वह ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक तथा डिजिटल अवसंरचना क्षेत्रों में निवेश की रफ्तार बढ़ा रहा है। उनका कहना है कि कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित विकास से पैदा होने वाली मांग समूह के लिए नए अवसर लेकर आएगी। शेयरधारकों को लिखे अपने सालाना पत्र में अदाणी ने कहा कि पिछले वर्ष बढ़ी जांच-पड़ताल और चुनौतियों के बावजूद समूह विस्तार की अपनी रणनीति पर कायम रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कानूनी मामलों से जुड़े मामले अब पीछे छूट चुके हैं और समूह नए आत्मविश्वास के साथ विकास के अगले चरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अदाणी ने समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू को निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह ऐसे समय में सफल रहा जब समूह को कॉरपोरेट प्रशासन और नियामकीय मुद्दों को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि दुनिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, ऊर्जा सुरक्षा की नई चुनौतियों और प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व के बावजूद अदाणी समूह भारत के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहा। समूह ने ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक, यूटिलिटी और औद्योगिक विनिर्माण क्षेत्रों में अपनी परियोजनाओं को लगातार आगे बढ़ाया। अदाणी ने कहा कि समूह की पहचान चुनौतियों या आलोचनाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रति उसकी प्रतिक्रिया और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से होती है। अमेरिका में नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार से जुड़े कथित रिश्वतखोरी मामलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन कानूनी प्रक्रियाओं से जुड़ी बाधाएं अब समाप्त हो चुकी हैं। समूह पहले ही इन आरोपों से इनकार करता रहा है। भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए अदाणी ने कहा कि समूह दो प्रमुख विकास कारकों–अवसंरचना और मेधा (इंटेलिजेंस)–पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

उनका मानना है कि एआई के व्यापक उपयोग के लिए बिजली उत्पादन, पारेषण नेटवर्क, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक अवसंरचना में भारी निवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, ÷एआई के सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है।÷ उनके अनुसार, भविष्य का प्रौद्योगिकी नेतृत्व केवल सॉफ्टवेयर से नहीं, बल्कि मजबूत भौतिक अवसंरचना से भी तय होगा।''समूह ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है, जो उसके अब तक के सबसे बड़े वार्षिक पूंजीगत व्यय कार्यक्रमों में से एक है। यह निवेश नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली पारेषण, बंदरगाह, हवाई अड्डा, डेटा सेंटर और विनिर्माण गतिविधियों में किया गया। प्रमुख उपलब्धियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी द्वारा 5.1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ना शामिल है, जिससे उसकी कुल परिचालन क्षमता 19 गीगावाट से अधिक हो गई। वहीं अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज ने पांच मेगावाट की हरित हाइड्रोजन पायलट परियोजना शुरू की है। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की पारेषण परियोजनाओं की ऑर्डर बुक बढ़कर 71,779 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है, जबकि अदाणी पावर 2032 तक उत्पादन क्षमता 42 गीगावाट तक ले जाने के लिए दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के विस्तार कार्यक्रम पर काम कर रही है। डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में समूह ने 2030 तक दो गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के निर्माण की योजना बनाई है। इसके अलावा गूगल के साथ विशाखापत्तनम में बड़ी डेटा सेंटर परियोजना के लिए समझौता भी किया गया है। लॉजिस्टिक क्षेत्र में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन ने वर्ष के दौरान 50 करोड़ टन से अधिक कार्गो को संभाला। वहीं समूह के हवाई अड्डा कारोबार ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और गुवाहाटी हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल को चालू किया।